

B.A. (Prog.) / II

B

BUDDHIST STUDIES DISCIPLINE— Paper II

(Buddhist Thought and Teachings)

(Admissions of 2004 to 2010)

Time : 3 hours

Maximum Marks : 75

*(Write your Roll No. on the top immediately
on receipt of this question paper.)*

NOTE:— *Answers may be written either in English or in Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.*

टिप्पणी:— इस प्रश्नपत्र का उत्तर अंग्रेज़ी या हिन्दी किसी एक भाषा में दीजिए; लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

*Attempt any four questions.
All questions carry equal marks.*

*किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।*

1. Give an account of the theory of 'Karma and Rebirth'.

'कर्म व पुनर्जन्म' के सिद्धान्त का वर्णन कीजिए।

2. Write an essay on the 'Tri-Ratna' or 'Pāramitā'.

'त्रि-रत्न' या 'पारमिता' पर एक निबंध लिखिए।

3. What are the 'Noble Truths'? Discuss the 'Fourth Noble Truth' or 'Noble Eight Fold Path' in details. Why is it called 'Middle Path'?

'आर्य सत्य' क्या हैं? 'चतुर्थ आर्य सत्य' अथवा 'आर्य अष्टांगिक मार्ग' का विस्तृत विवेचन कीजिए। इसे 'मध्यम मार्ग' क्यों कहा जाता है?

4. Discuss the concept of 'Nirvāṇa' as depicted in the early 'Pāli texts'.

प्रारंभिक 'पालि ग्रंथों' में दर्शायी गई 'निर्वाण' की अवधारणा का विवेचन कीजिए।

Or (अथवा)

Discuss briefly the philosophical implication of the theory of 'Dependent Origination' in Buddhism.

बौद्ध धर्म में वर्णित 'प्रतीत्यसमुत्पाद' के सिद्धान्त के दार्शनिक निहितार्थों का संक्षिप्त विवेचन कीजिए।

5. Write an essay on 'Sthaviravāda' school of Buddhism.

'स्थविरवाद' बौद्ध सिद्धान्तों पर एक निबंध लिखिए।

Or (अथवा)

Explain the philosophy of 'Mādhyamika School'.

'माध्यमिक सम्प्रदाय' के दार्शनिक तत्त्वों की व्याख्या कीजिए।

6. What do you mean by 'Pāramitā' or 'Trikāya' in Buddhism.

बौद्ध धर्म में वर्णित 'पारमिता' अथवा 'त्रिकायवाद' के सिद्धान्त की व्याख्या कीजिए।

7. Write in details *either* on 'Sīla' or on 'Prajñā'.

'सील' अथवा 'प्रज्ञा' पर विस्तार से लिखिए।

Or (अथवा)

8. What is 'Tri Lakṣaṇa'? Write a short note on 'Tri Lakṣaṇa' in Buddhism.

'त्रिलक्षण' क्या है? बौद्ध धर्म में वर्णित 'त्रिलक्षण' के सिद्धान्त की संक्षिप्त व्याख्या कीजिए।